देवभूमि
हिमाचल
09/02/2011

पेपर मिलों की मनमानी के विरोध में 14 को गत्ता उद्योग रहेंगे बंद

◆संजय जोशी

सोलन, 8 फरवरी। कागज तैयार करने वाले उद्योगों की मनमानी के विरोध में की आगामी 14 फरवरी को हिमाचल प्रदेश गत्ता उद्योग बंद रहेंगे व यदि उनकी मांगों पर सहानुभूति पूर्वक सरकार ने निर्णय नहीं लिया गया तो 21 फरवरी को दो दिन का बंद रखा जायेगा। यह जानकारी हिमाचल प्रदेश केरोगेटिड बाक्स उत्पादक संघ के प्रधान जी के सरदाना ने सोलन में आयोजित के संवाददाता सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए दी। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में आगामी सेब के सीजन को देखते हुए पेपर मिल मालिकों ने 28 जनवरी से आठ फरवरी तक उद्योग बंद करके दामों को बढ़ाने की साजिश रची है जिसके लिए सरकार को उनके खिलाफ कार्यवाही करनी चाहिए। उन्होंन कहा कि उत्तरी क्षेत्र पेपर मिल मालिकों ने पिछले दिनों में 6 रूपये वृद्धि कर दी है इसके अलावा स्टीचिंग वायर में 40 प्रतिशत व मजदूरी व गम रेट में

■ सेब के सीजन के दौरान कागज पर इम्पोर्ट डयूटी कम करे सरकार

■ सरदाना ने मुख्यमंत्री धूमल से कार्यवाही करने की मांग की

वृद्धि के कारण छोटे गत्ता उद्योगों पर इस बढ़ौत्तरी की मार पड़ रही है। जिसके कारण वे अपने ग्राहकों की आपूर्ति करने में असमर्थ है।

उन्होंने कहा कि यदि इसी प्रकार से पेपर मिलों की मनमानी चलती रही तो सेब की पेटियों की कीमत 50 रूपये तक पहुंच जायेगी। उन्होंने मुख्यमंत्री प्रेमकुमार धूमल व बागवानी मंत्री नरेन्द्र ब्रागटा से इस बारे में कार्यवाही करने की मांग की। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में पांच पेपर उद्योग है उन्हें सरकार गत्ता उद्योगों को सहयोग करने को देन के लिए कहें व कम से कम उनपर तो अंकुश लगाया जाए। जी के सरदाना ने मांग की कि सरकार दो महीनों के लिए सेब के सीजन के दौरान कागज पर इम्पोर्ट डयूटी कम कर दे तो कागज की कीमतों की बढ़ौतरी पर लगाम लग सकेगी। उन्होने कहा कि अनैतिक तरीके से नोर्थन पेपर मिल एसोसिएशन द्वारा अपने पेपर उद्योगों को बंद करने पर भी सरकार रोक लगाए ताकि आम ग्राहक को सुविधा मिल सके। इस अवसर पर बीबीएन,परवाणू एवं कालाअम्ब के कई गत्तो उद्योग एसोसिएशन के सदस्य भी उपस्थित थे।